**आवश्यकता है**

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है।
वेतन योग्यता अनुसार
(मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

**कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस**

9425105928. 8319964648



डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 40 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 22 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

# डोडाचूरा: मंदसौर-नीमच में होगी तीन अरब की तस्करी?

## चीरा पद्धति के तहत 24 हजार 258 किसानों को मिला पट्टा

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर-नीमच में इस बार लगभग तीन अरब के डोडाचूरा की तस्करी होगी। जी हां.. यह हम नहीं कर रहे, बीते आठ साल से जो चल रहा है, वह कह रहे हैं। मामला है डोडाचूरा नीति का जो आठ साल से नहीं बन पाई। डोडाचूरा को संभालकर रखना धरतीपूत्र के लिए आसान नहीं। इधर हिसाब किताब भी जिम्मेदार विभाग के पास नहीं है। मतलब साफ है कि आठ साल से निकल रहे डोडाचूरा ने पंजाब के अलावा कई प्रदेशों को उड़ता पंजाब बनाया है।

बात करें इस साल की तो सीपीएस पद्धति को छोड़ दे तो चीरा पद्धति में इस बार मंदसौर-नीमच में मिलाकर 24 हजार 258 किसानों को अफीम का पट्टा मिला है। इससे निकलने वाली अफीम और उसके बाद डोडाचूरा का गणित ज्ञान निकाला जाए तो 14.50 लाख किलो डोडाचूरा निकलेगा। पुलिस द्वारा एफआईआर में लिखी जाने वाली सबसे कम कीमत मतलब दो हजार रुपए किलो से भी इसका हिसाब किताब लगाए तो यह आंकड़ा तीन अरब के पास पहुंच रहा है। इसके अलावा बाहर जाने के बाद डोडाचूरा की कीमत इससे कई गुना ज्यादा हो जाती है। यह सिर्फ मंदसौर-नीमच के आंकड़े की बात कर रहे हैं। प्रदेश की बात करें तो डोडाचूरा के खेल का अनुमान लगाने में केल्क्युलेटर भी हैंग हो सकता है।

### नारकोटिक्स विभाग ने भी नहीं बताया अनुमानित उत्पादन...

सितंबर 2017 में प्रदेश सरकार के निर्देश पर आबकारी विभाग ने डोडाचूरा नष्टीकरण की कारवाई शुरू की थी, पर कागजों में ही चलने के बाद यह फाइल ठंडे बस्ते में पहुंच गई। आबकारी विभाग यह भी पता नहीं कर पाया था कि 10 आरी में कितना डोडाचूरा उत्पादित होता है। जबकि, लगभग 30 वर्षों से भी अधिक समय तक डोडाचूरा लाइसेंस, ठेके पर विभाग का सीधा नियंत्रण रहा है। सरकार के निर्देश मिलने पर आबकारी विभाग ने नारकोटिक्स विभाग को पत्र लिखकर जानकारी मांगी कि जिले में अफीम किसान कितने हैं? अफीम खेती का कुल रकबा क्या है? और एक किसान के यहां अनुमानित कितना डोडाचूरा उत्पादित होता है? इस पर नारकोटिक्स विभाग ने किसानों की संख्या और अफीम खेती का रकबा तो बता दिया था, पर डोडाचूरा उत्पादन की जानकारी नहीं दी थी। इससे विभाग की कागजी मुश्किलें बढ़ गई। फिर एक दल राजस्थान के प्रतापगढ़ में चल रही डोडाचूरा नष्टीकरण की प्रक्रिया देखने भी गया। वहां पर एक किसान को मिले 10 आरी के पट्टेपर औसत 15 किलो डोडाचूरा उत्पादन मानकर जलाया गया था। यहां भी तत्कालीन कलेक्टर के माध्यम से शासन को पत्र लिखा गया, पर उसके बाद कोई जवाब नहीं आया और अब डोडाचूरा किसानों के पास है या चला गया, इसकी भी जानकारी विभाग के पास नहीं है।

### आंकड़ा देखकर नजर आ रहा तस्करी का खेल...

अविभाजित मंदसौर जिले में इस साल 14 लाख 55 हजार 480 किलो डोडाचूरा निकलेगा। पुलिस जब डोडाचूरा पकड़ती है तो दो हजार रुपए या पांच हजार रुपए किलो से भी डोडाचूरा के रेट तय कर एफआईआर में लिखती है। कम से कम दो हजार का रेट ही लिया जाए तो डोडाचूरा 2.91 अरब से ज्यादा का हुआ। यह कम से कम जोड़ा गया आंकड़ा है। इसके बाद पंजाब, हरियाणा या राजस्थान सहित अन्य जगहों पर जाने के बाद इसके दाम कई गुना ज्यादा हो जाते हैं।

### यह है पूरा गणित ज्ञान...

डोडाचूरा ठेकेदारी से जुड़े लोगों की मानें तो 10 आरी के अफीम खेत में औसत 80 किलो तक डोडाचूरा निकलता है। कुछ किसानों के यहां यह मात्रा 60 किलो तक भी हो सकती है, पर इससे कम नहीं होती है। इस बार मंदसौर-नीमच जिले में 24 हजार 258 किसानों को चीरा पद्धति के तहत पट्टे दिए गए है। अगर 60 किलो भी औसत मानें तो 14 लाख 55 हजार 480 किलो डोडाचूरा होना चाहिए। यह बात अलग है कि संबंधित विभाग 15 से 30 किलो औसत मानकर खुद तस्करी को बढ़ावा देता आ रहा है।

### किसान भी मजबूर...

31 मार्च 2016 के बाद से डोडाचूरा के ठेके देना बंद कर दिए थे। इसके बाद से अब तक कोई नीति नहीं आई। इधर किसानों की मजबूरी है कि डोडाचूरा को घर पर संभाल कर नहीं रख सकते। इसमें बिच्छु सहित अन्य जानवरों के पैदा होने की पूरी आशंका होती है। इसके अलावा अगर किसान इसे संभालकर रखे तो भी उसके लिए अलग से जमीन या गोदाम बनाना होगा। अगर आठ साल से अफीम किसान डोडाचूरा संभालकर रखते तो इसके लिए बैंक से लोन लेकर एक बड़ा गोदाम तैयार करना पड़ता।

### आठ साल पहले बंद किया ठेका...

वर्षों तक किसानों का डोडाचूरा खरीदने के लिए सरकार ठेका देती रही। फिर 31 मार्च 2016 के बाद से डोडाचूरा के ठेके देना बंद कर दिए थे। सरकार के नष्टीकरण के आदेश को लेकर आबकारी विभाग भी कोई फार्मूला तैयार नहीं कर पाया है। वर्ष 2016 के बाद से अभी भी अफीम की फसल सरकार खरीद रही है। अब किसानों के पास आठ साल का डोडाचूरा स्टॉक में रखा है या नहीं है, इसकी भी कोई दस्तावेजी जानकारी किसी विभाग के पास नहीं है। डोडाचूरा के ठेके खत्म होने के बाद से ही आबकारी विभाग ने इसकी तरफ देखना ही छोड़ दिया था। क्योंकि, यह उनके नियंत्रण से ही बाहर हो गया। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने डोडाचूरा को समर्थन मूल्य पर खरीदने का चुनावी दांव भी फेंका था, पर इसका क्रियान्वयन नहीं कर पाए।

## खाई में गिरी बाइक, एक की मौत, दो गंभीर

**मनासा, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मनासा थाना क्षेत्र के ग्राम महागढ़ के पास मनासा मंदसौर रास्ते पर बुधवार की रात एक सड़क हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि सामने से आ रहे एक ट्रक से बचने के लिये जब बाइक को सड़क से उतारा तो बाइक असंतुलित होकर खाई में जा गिरी।

हादसे में मंदसौर जिले के रहने वाले तीन युवक घायल हो गए। जिनमें तीतरोद निवासी दिलीप सिंह, देवेंद्र सिंह और खेजड़िया निवासी यशवंत सिंह शामिल थे। सभी राजस्थान के चित्ताड़गढ जिले में स्थित मंडपिया के श्री सांवलिया सेठ मंदिर पर दर्शन करने के लिए गए थे। हादसे के बाद उन्हें एंबुलेंस की सहायता से नीमच के बड़े अस्पताल लाया गया। लेकिन, यशवंत ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। जबकि देवेंद्र और दिलीप गंभीर रूप से घायल हैं। जिनका उपचार बड़े अस्पताल में जारी है।

गुरुवार सुबह मृत युवक के परिजनों के आने के बाद पुलिस की मौजूदगी में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर हादसे की जांच कर रही है।

## सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं 15 फरवरी से

### बारहवी की 4 अप्रैल तक चलेंगी, 10 वीं का अंतिम पेपर 18 मार्च को

**भोपाल, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने बुधवार देर रात 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की तारीखों का ऐलान कर दिया है। दसवी एवं 12वीं की परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरु होंगी। जबकि, 10वीं की परीक्षा 18 मार्च तक और 12वीं की परीक्षा 4 अप्रैल तक चलेंगी। पिछले परिणाम छह महीने पहले ही आए थे। इसमें मध्यप्रदेश देश में 30वें नंबर पर था। दोनों ही कक्षाओं में प्रदेश में लडकियों ने बाजी मारी थी।

सीबीएसई बोर्ड के जिम्मेदारों के मुताबिक, पहली बार परीक्षा से 86 दिन पहले डेट शीट जारी की गई है। इसकी वजह है कि इस बार स्कूलों ने समय से एलओसी यानी लिस्ट ऑफ कैंडिडेट्स भरी है। डेट शीट के मुताबिक, दो विषयों के बीच पर्याप्त अंतराल दिया गया है। कक्षा 12वीं के स्टूडेंट्स के लिए प्रवेश परीक्षाओं की तिथि को ध्यान में रखा गया है। प्रवेश परीक्षाओं से काफी पहले परीक्षाएं पूरी करने का प्रयास किया गया है। इससे विद्यार्थियों को बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं के लिए बेहतर समय प्रबंधन में मदद मिलेगी।

### अंग्रेजी से शुरू होगी 10वीं की परीक्षा...

10वीं क्लास के लिए पहला पेपर अंग्रेजी का होगा। साइंस का 20 फरवरी को होगा। इसमें सिर्फ एक दिन की छुट्टी दी गई है। वहीं, सोशल साइंस का पेपर 25 फरवरी को होगा। 10वीं के स्टूडेंट्स के लिए आखिरी एग्जाम 18 मार्च को कम्प्यूटर एप्लिकेशन्स का होगा। 12वीं क्लास के स्टूडेंट्स के लिए 15 फरवरी को आंत्रप्रेन्योरशिप का पेपर है। फिजिक्स का पेपर 21 फरवरी को होगा और 27 फरवरी को केमिस्ट्री का पेपर होगा। 11 मार्च को इंग्लिश का पेपर होगा और 15 मार्च को हिंदी की परीक्षा होगी। 4 अप्रैल को आखिरी पेपर साइकोलॉजी का होगा।

## मिट्टी में दबने से मजदूर घायल

### दो घंटे की मशक्कत के बाद निकाला जा सका, पाइप लाइन बिछाने का चल रहा था काम

**मनासा, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** समीपस्थ कुकड़ेश्वर नगर में गुरुवार सुबह नीमच-रामपुरा मार्ग के करीब जल जीवन मिशन के तहत डाली जाने वाली पाइपलाइन के कार्य के दौरान खोदी गई खाई में एक मजदूर गिर कर मिट्टी में दब गया। इसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पहुंचे।

पाइपलाइन डालने के लिए करीब 10-15 फीट गहरी खाई खोदी गई थी। जिसमें पाइप बिछाने और वेल्डिंग करने सहित अन्य कार्य किया जा रहा था। तभी खाई की दीवार का एक हिस्सा गिर गया। इस दौरान खाई में मौजूद एक मजदूर इसके नीचे दब गया। मौके पर मौजूद मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। पहले तत्परता से मजदूर के सिर के ऊपर से मिट्टी को हटाया गया। फिर रेस्क्यू शुरू किया गया।वहीं रेस्क्यू में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जहां मजदूर फंसा हुआ था, वहां सकरी जगह थी। हालांकि मजदूर को मामूली चोट आई है।

करीब 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उसे प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मिट्टी में फंसने वाला मजदूर राकेश पिता दीनानाथ लोहार उत्तर प्रदेश का रहने वाला है।

### दबे कर्मचारी को सकुशल निकाला...

कुकड़ेश्वर थाना प्रभारी राधेश्याम दांगी ने बताया कि डीबी एलसी कंपनी द्वारा पाइपलाइन डालने का कार्य किया जा रहा है। इसी दौरान को सुबह खोदी गई खाई की दीवार का एक हिस्सा गिर गया। जिससे उत्तर प्रदेश का रहने वाला 40 वर्षीय कर्मचारी राकेश लोहार दब गया था। उसे रेस्क्यू कर लिया गया है और वह सकुशल है।

**लापरवाही या अनदेखी-** मंदसौर शहर से प्रतापगढ़ चलने वाली टेंपो ट्रेक्स में प्रतिदिन ओवर लोड सवारिया बिठाकर 35 किलो मीटर का सफर तय कर रहे हैं। वहीं मंदसौर से दलौदा और रेवासदेवड़ा चलने वाले मेजिक वाहन में भी लापरवाही पूर्वक सवारियों को बिठा कर सफर किया जा रहा है।

## घर में लगी आग, नगदी सहित लाखों का सामान हुआ राख

**गरोठ, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** क्षेत्र के ग्राम डलमऊमें गुरुवार सुबह रमेश पिता जयसिंह नाथ के घर में आग लग गई, आग लगने का कारण स्पष्टनहीं हो पाया है। लेकिन, आग के कारण घर के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया, जिसमें डेढ से 2 लाख नगदी एक मोटरसाइकिल घर के बिस्तर, सोफा तथा अन्य समान जल गया। गांव के ही बबलू नाथ ने बताया कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट तथा गैस लीकेज हो सकता है ? घर में रखा नगदी डेढ से 2 लाख रुपए तथा मोटरसाइकिल आग में जल गई है। गरोठ नगर परिषद द्वारा मौके पर फायर ब्रिगेड तथा ग्रामीणों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

## किसानों की समस्या को लेकर डंग ने की तीन घंटे बैठक

### नाराज किसानों ने किया लदूना रोड जाम, एमपीइबी के एसी द्वारा दिए गए आश्वासन के बाद माने धरतीपुत्र

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार शाम सीतामऊ विद्युत वितरण केंद्र में बड़ी हलचल उस समय देखने को मिली, जब क्षेत्रीय विधायक हरदीप सिंह डंग किसानों की समस्याओं को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा करने पहुंचे। किसानों की शिकायत थी कि ट्रांसफार्मर उपलब्ध न होने के कारण उनकी फसलें प्रभावित हो रही हैं।**

विधायक डंग सुबह से ही कार्यालय में मौजूद थे और किसानों के साथ मिलकर अधिकारियों से समाधान की मांग कर रहे थे। लेकिन तीन घंटे की लंबी बैठक और कई तीखी बहस के बावजूद, विभागीय अधिकारी किसानों को संतुष्ट करने में असफल रहे। पीड़ित किसानों ने बताया कि वे कई दिनों से अपनी समस्याओं को लेकर विभागीय अधिकारियों और विधायक को अवगत करा रहे थे। लेकिन, उनकी समस्या का समाधान अब तक नहीं हो पाया। इस बार विधायक खुद किसानों के साथ कार्यालय पहुंचे, लेकिन कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया।

### किसानों ने चक्का जाम किया...

अधिकारियों की उदासीनता से नाराज किसानों ने अंततः सीतामऊ-लदूना रोड पर जाम लगा दिया। किसानों का कहना है कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी, वे आंदोलन जारी रखेंगे। विधायक हरदीप सिंह डंग ने भी विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि अगर जल्द ही समाधान नहीं निकला, तो वे भी आंदोलन का समर्थन करेंगे।

### सांसद गुप्ता भी पहुंचे...

देर शाम सांसद श्री सुधीर गुप्ता भी मौके पर पहुंचे और एमपीइबी के अधिकारियो से चर्चा कर किसानो की समस्या का तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

### प्रशासन की सुस्ती पर उठे सवाल...

इस घटना ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खडे कर दिए हैं। किसानों की मांग को अनसुना करना और समस्या का समय पर समाधान न देना क्षेत्र में बड़े असंतोष का कारण बन सकता है। फिलहाल, पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं और स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रहे हैं। किसानों और अधिकारियों के बीच बातचीत चली। रात्रि करीब 08 बजे एमपीइबी के एसी राजेंद्र जैन चक्काजाम स्थल पर पहुंचे और किसानो को आश्वासन दिया। तब जाकर धरना और चक्काजाम समाप्त हुआ।

**पानी की बरबादी-** मंदसौर शहर के प्रतापगढ़ रोड स्थित बुगलिया नाला जो शिवना नदी में मिलता है। उसमें अवैध रूप से जनरेटर लगाकर रेत का अवैध व्यवसाय करने वाले पानी चोरी करके रेत से मिट्टी निकालने के लिए उसमें पानी डाल रहे है।

विचार-मंथन



# अब मंत्री-विधायक भी हिंसा की चपेट में...

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी मणिपुर में हिंसा की शुरुआत के डेढ़ वर्ष से ज्यादा बीत चुके हैं, मगर आज भी वहां अराजकता बेलगाम और सरकार लाचार खड़ी दिखती है। आखिर क्या वजह है कि हर कुछ रोज बाद हिंसा की बड़ी घटनाएं एक तरह से सरकार के सामने चुनौती देती हुई लग रही हैं और उस पर काबू पाने में वहां का प्रशासन पूरी तरह से नाकाम है। कुछ दिन पहले वहां गंभीर हिंसक घटनाओं का नया दौर फिर से शुरू हो गया है और आम लोगों की जान जा रही है। हाल ही में एक महिला की हत्या करके उसका घर जला दिया गया था। उसके बाद एक अन्य शिविर से छह लोग लापता हो गए। बाद में उनके शव मिलने की खबरें आईं। अब स्थानीय लोगों के बीच सरकार की इस व्यापक नाकामी के खिलाफ गुस्सा भड़क गया है और इस तरह हिंसा का दायरा अब और फैलता जा रहा है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां कुछ लोगों ने अब विधायकों और मंत्रियों के घरों में आग लगाना शुरू कर दिया है। शनिवार और रविवार को कई विधायकों और मंत्रियों के घरों पर लोगों की भीड़ ने हमला किया, आग लगा दी और बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ की। यह समझना मुश्किल नहीं है कि कुकी और मैतेई समुदायों के बीच लंबे समय से चल रही हिंसा के बाद अब लोगों का गुस्सा सरकार खिलाफ भड़क रहा है और नेता भी हमलों के निशाने बनने लगे हैं। निश्चित रूप से यह स्थिति किसी भी हाल में उचित नहीं मानी जा सकती, मगर ताजा हिंसा से यही लगता है कि इसमें शामिल दोनों समुदाय अब शायद इससे ऊब रहे हैं और उनका आक्रोश सरकार और राजनीतिक तबके के खिलाफ फूट रहा है। सवाल है कि किसी भी सरकार को अपना समूचा सुरक्षा तंत्र झोंकने के बाद हिंसक घटनाओं पर काबू पाने में कितना वक्त लगना चाहिए?पिछले वर्ष मई महीने में मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा दिए जाने के सवाल पर दो समुदायों के बीच जिस हिंसक टकराव की शुरुआत हुई थी, उसमें अब तक सवा दो सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। राज्य सरकार की पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ-साथ सेना तक ने वहां मोर्चा संभाला। सुप्रीम कोर्ट और केंद्र सरकार की ओर से शांति कायम करने के लिए कई स्तर पर कवायदें हुईं। मगर हालत यहां तक पहुंच गई है कि अराजकता पर काबू पाना तो दूर, अब मंत्री-विधायकों के घर भी हिंसा की आग का शिकार होने लगे हैं। कहने को शांति कायम करने के मकसद से दोनों पक्षों के बीच बातचीत की प्रक्रिया शुरू कराने का दावा कई बार किया गया, लेकिन आज भी वहां जिस तरह लोगों के घरों पर हमले किए जा रहे हैं, उसमें किसी की हत्या कर दी जा रही है, उससे साफ है कि सरकार की कोशिशें या तो बेमन से की गईं या फिर उसके पीछे कोई स्पष्ट दृष्टि और इच्छाशक्ति नहीं थी। हैरानी की बात यह है कि अब भी सरकार एक तरह से 'सब कुछ सामान्य होने' की मुद्रा में बेफिक्र दिख रही है। वरना क्या कारण है कि राज्य में गृह युद्ध की हालत लंबे वक्त से कायम है, लेकिन केंद्र की ओर से भी राज्य सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। अब फिर सीआरपीएफ की पचास कंपनियां भेजने का फैसला किया गया है, मगर वहां की हिंसा अब जिस शक्ल में पहुंच गई लगती है, उसके लिए अब बहाने बनाने के बजाय तात्कालिक तौर पर हिंसा को रोक कर उसकी जड़ों को सुलझाने की जरूरत है।

# ट्रंप 2.0 के तहत अमेरिकी विदेश नीति के दुनियाभर में क्या होंगे प्रभाव?

**विवेक मिश्रा**



जैसे-जैसे डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा प्रशासन जनवरी 2025 में कार्यभार संभालने की तैयारी कर रहा है, राजनीतिक परिदृश्य निश्चितता और अप्रत्याशितता के मिश्रण से चिह्नित है. निश्चितता की भावना उस जानबूझकर और मुखर तरीके से उत्पन्न होती है, जिसमें ट्रंप अपनी टीम को इकट्ठा कर रहे हैं, जो विश्वसनीय सहयोगियों के एक करीबी सर्कल के साथ नीति निर्माण को नया रूप देने के एक मजबूत इरादे का संकेत देता है. प्रमुख नियुक्तियों में विदेश मंत्री के रूप में मार्को रुबियो, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में माइकल वाल्ट्ज, रक्षा मंत्री के रूप में पीट हेगसेथ, राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में तुलसी गबार्ड और स्वास्थ्य और मानव सेवा मंत्री के रूप में रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर शामिल हैं. शायद सबसे खास बात यह है कि एलन मस्क और विवेक रामास्वामी को नव स्थापित सरकारी दक्षता विभाग का नेतृत्व करने के लिए चुना गया है, जो वाशिंगटन, डीसी और व्यापक वैश्विक मंच पर शासन को पूरी तरह से बदलने की एक साहसिक महत्वाकांक्षा को दर्शाता है. ऐसे में निगाहें इस पर रहेंगी कि नव निर्वाचित ट्रंप प्रशासन की विदेश नीति, प्रमुख वैश्विक खिलाड़ियों के प्रति उसका दृष्टिकोण और आने वाले महीनों में दुनिया क्या उम्मीद कर सकती है? ट्रंप प्रशासन यह स्पष्ट कर रहा है कि उनकी विदेश नीति अमेरिका की घरेलू प्राथमिकताओं - मुद्रास्फीति, आव्रजन और व्यापार द्वारा आकार लेगी. फिर भी, इनमें से प्रत्येक मुद्दे का सीमाओं के पार प्रभाव पड़ेगा, जो अंतरराष्ट्रीय संबंधों, गठबंधनों और यहां तक कि संघर्षों को भी प्रभावित करेगा. डोनाल्ड ट्रंप से सबसे पहले जिस चीज पर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद की जा रही है और शायद उन्होंने शुरू भी कर दिया है, वह संघर्ष समाधान का मुद्दा है. विशेष रूप से यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच और दूसरा मध्य पूर्व में इजरायल और हमास के बीच. ट्रंप प्रशासन के तहत रूस की विदेश नीति की एक अहम प्राथमिकता बनी रहेगी. शुरुआती संकेत यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक मजबूत प्रयास की ओर इशारा करते हैं. ट्रंप की टीम मॉस्को के साथ कूटनीतिक रूप से जुड़ने के लिए तैयार दिखती है, जिसका लक्ष्य संभवत एक ऐसा समझौता करना है जो पूर्वी यूरोप को स्थिर करे और आगे की वृद्धि को रोके. हालांकि, यह रणनीति जोखिम रहित नहीं है. रूस के प्रति अत्यधिक समझौतावादी दृष्टिकोण यूरोपीय सहयोगियों के साथ संबंधों को खराब कर सकता है, जिनमें से कई मास्को की आक्रामक नीतियों को रोकने के लिए एक सख्त रुख के पक्षधर हैं. नाटो जैसे पारंपरिक बहुपक्षीय मंचों को दरकिनार करते हुए सीधी बातचीत की ओर ट्रंप का झुकाव गठबंधन की गतिशीलता को मौलिक रूप से बदल सकता है. अगर ट्रंप शांति समझौते में सफलतापूर्वक मध्यस्थता करते हैं, तो यह यूएस-रूस संबंधों को नया रूप दे सकता है, जिससे आतंकवाद या ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग के रास्ते खुल सकते हैं. हालांकि, इसकी कीमत नाटो सदस्यों के बीच विश्वास में कमी और सामूहिक सुरक्षा के लिए यूएस प्रतिबद्धता के बारे में चिंताओं के रूप में चुकानी पड़ सकती है. इन प्रतिस्पर्धी हितों को संतुलित करना प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण होगा. चीन ट्रंप की विदेश नीति का सबसे जटिल और विवादास्पद पहलू बना हुआ है, जबकि प्रशासन से टकरावपूर्ण रुख बनाए रखने की उम्मीद है. इससे ध्यान संभवतः सैन्य रुख के बजाय आर्थिक उपायों की ओर जाएगा. ट्रंप की टीम ने चीन के आर्थिक उदय का मुकाबला करने और ग्लोबल सप्लाई चेन पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए टैरिफ, व्यापार बाधाओं और प्रौद्योगिकी प्रतिबंधों का लाभ उठाने के इरादे से संकेत दिया है. फोकस के मुख्य क्षेत्रों में सेमीकंडक्टर जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी की सप्लाई चेन को नियंत्रित करना और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों जैसे महत्वपूर्ण संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करने की संभावना है. यह दृष्टिकोण विनिर्माण को पुनर्जीवित करने और अमेरिकी आयात को कम करने के लिए ट्रंप की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है. हालांकि, ऐसी रणनीति में काफी जोखिम है. चीन कई अमेरिकी सहयोगियों के लिए एक प्रमुख व्यापार भागीदार है और आर्थिक टकराव की तीव्रता वैश्विक बाजारों को अस्थिर कर सकती है. ऐसी स्थिति में सहयोगियों को अलग किए बिना या व्यापक आर्थिक मंदी को ट्रिगर किए बिना अपने आर्थिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाना होगा. साथ ही, यह गणना दृष्टिकोण उन देशों के साथ गठबंधन बनाने के अवसर प्रदान कर सकता है जो चीन के आर्थिक और तकनीकी प्रभुत्व के बारे में चिंताएं साझा करते है. यूरोप, एशिया और उससे आगे के सहयोगियों के साथ कोर्डिनेशन करके, प्रशासन अपने उपायों के प्रभाव को बढ़ा सकता है, जिससे चीन की महत्वाकांक्षाओं को रोकने के लिए एक अधिक एकजुट मोर्चा बन सकता है. इंडो-पैसिफिक में ट्रंप प्रशासन से क्षेत्रीय शक्तियों के बीच बोझ साझा करने पर केंद्रित एक सहयोगी रणनीति अपनाने की उम्मीद है. क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत इस दृष्टिकोण में एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है. ट्रंप की टीम भारत को अधिक एक्टिव सिक्योरिटी रोल निभाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है, जिसमें चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए हिंद महासागर में विस्तारित नौसैनिक उपस्थिति शामिल है. यह रणनीति ट्रंप के क्षेत्रीय जिम्मेदारी के व्यापक दर्शन के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य सहयोगियों और भागीदारों को सशक्त बनाकर अमेरिकी सुरक्षा पदचिह्न को कम करना है. संयुक्त सैन्य अभ्यास और टेक्नोलॉजी- शेयरिंग एग्रीमेंट जैसे एडवांस रक्षा सहयोग इस साझेदारी की आधारशिला बन सकते हैं. क्वाड जैसी पहल - अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक रणनीतिक वार्ता- इस प्रशासन के तहत और मजबूत हो सकती है. फिर भी इस रणनीति की सफलता सावधानीपूर्वक बातचीत पर निर्भर करेगी. भारत ने ऐतिहासिक रूप से अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा की है और वह उन पहलों का विरोध कर सकता है।

# किसी कोने में हम भी बना लेते हैं एक अपनी दुनिया

**पल्लवी सक्सेना**



हर इंसान अपनी बनाई दुनिया में जीता है। उसकी उस दुनिया को केवल वही देख सुन सकता है, उसमें जी सकता है। किसी भी दूसरे व्यक्ति को उसकी उस दुनिया में जाने की अनुमति तब तक नहीं होती, जब तक वह इंसान खुद न चाहे। कई बार ऐसा भी होता है कि चाहते हुए भी वह इंसान अपनी उस दुनिया के विषय में किसी से कुछ कह नहीं पाता या सामने वाले व्यक्ति को उस दुनिया के विषय में समझा नहीं पाता और दुनिया वाले उसे पागल समझने लगते हैं। जबकि लोग भी यह बात जानते हैं कि इतनी बड़ी इस दुनिया में उनकी भी अपनी एक छोटी-सी दुनिया है, जिसमें वे हर रोज जीते हैं। इसके बावजूद वे सामने वाले के मनोभावों को समझने में असमर्थ ही रहते हैं।शायद वे खुद भी यह बात समझ नहीं पाते कि वे खुद जिसमें जीना पसंद कर रहे हैं, वह उनकी खुद की एक अलग दुनिया है। 'पर्पल दुनिया' उसी दुनिया को कहते हैं। ऐसा नहीं है कि उस दुनिया में हर एक चीज का रंग बैंगनी है। यहां इस रंग से तात्पर्य 'हीलिंग', यानी उपचार से है, सुकून या शांति से है। यानी एक ऐसी दुनिया, जिसमें जाकर किसी के मन और विचारों को शांति मिले। जहां जाकर कुछ भी सोचने-विचारने पर किसी तरह का कोई बंधन न हो, लोग क्या कहेंगे, क्या सोचेंगे, जैसे कोई बंधन न हों। जहां व्यक्ति पूर्ण रूप से अपने विचारों के साथ जिए। जो बाहरी दुनिया से मिले घावों का उपचार करने, उन्हें भरने में हमारा सहयोग करे, हमारे दिमाग को शांति प्रदान करे, कुछ देर या पल के लिए ही सही, जीवन के तमाम झंझटों और परेशानियों से हमें मुक्त कर दे, जहां किसी तरह का कोई दबाव न हो, ऐसी सबकी एक अलग दुनिया को ही 'पर्पल दुनिया' कहते हैं। मसलन, शराब पीने वाले लोगों को अक्सर ऐसा लगता है कि वह नशा करके अपने तमाम दुख-तकलीफों से मुक्त हो जाते हैं, वैसे ही किसी के लिए किसी भी प्रकार का नशा या आसक्ति उसे उसकी एक अलग दुनिया में ले जाता है। वीडियो गेम की दुनिया आजकल बच्चों से लेकर युवाओं तक, सभी की आसक्ति बनी हुई है और लोग अपने होश खो बैठे हैं। इसमें इतना खो चुके हैं कि सच्चाई और भ्रम में अंतर भूल गए हैं। आज उनकी यह आसक्ति उनके लिए एक मनोरोग बन चुकी है। सिर्फ एक यही दुनिया ऐसी नहीं है, बल्कि और भी कई सारे क्षेत्र ऐसे हैं, जिनमें उलझकर इंसान मनोरोग या इस तरह की स्थिति का शिकार बनता चला जा रहा है। कई बार कोई पुराना हादसा या दुर्घटना भी इंसान के मन में ऐसी घर कर जाती है कि वह खुद को ही उस घटना या दुर्घटना का दोषी मानने या समझने लगता है और अपराधबोध से इस गहराई तक डूब जाता है कि एक अलग ही दुनिया में जीने लगता है। उस दुनिया में बहुत से लोग अपने आप से घंटों बातें करते हैं, तो कुछ लोग डरने लगते हैं। कुछ को वह सब दिखाई देने लगता है जो वास्तव में होता ही नहीं। ऐसे लोग साधारण दुनिया के विपरीत सोचते हैं। उन्हें असल दुनिया बुरी लगती है। वे अपनी 'पर्पल दुनिया' में ही रहना चाहते हैं। यों तो हम इंसान अपने दिमाग को अपने वश में करके जीना जानते हैं, लेकिन ये वे इंसान होते हैं, जिन्हें उनका दिमाग अपने वश में कर लेता है। साधारण तौर पर अगर देखा जाए तो हम सामान्य इंसानों की भी तो एक अपनी दुनिया होती है, जिसमें हम जीना चाहते हैं। जो जीवन में किसी कारणवश कर न सके या बन नहीं सके, उसकी कल्पनाओं में खो जाते हैं। जिन बातों या सपनों में जाकर हम वह बन जाते हैं जो हम बन नहीं पाए और शायद आज भी कहीं न कहीं सामाजिक दबाव, या यों कहें कि पारिवारिक बंधनों के चलते, चाहते हुए भी बन नहीं सकते और तब कहीं न कहीं मन के किसी कोने में हम भी एक अपनी दुनिया बना ही लेते हैं। देखा जाए तो इस विषय के पीछे एक बड़ा और मुख्य कारण है अकेलापन। आज की इस भौतिक दुनिया में जहां बच्चों से लेकर वृद्धजनों तक हर कोई अकेला है, वहां शांतिपूर्वक जीने के लिए या सिर्फ जीने के लिए हर किसी को कोई चाहिए अपने मन की कहने या अपने अनुसार जीने के लिए। दरअसल, आज की इस भौतिक दुनिया में सब इतने अकेले और परेशान हैं कि कोई किसी को स्वीकार नहीं करना चाहता। शायद यही वजह है कि हर कोई मुखौटा लगा कर घूमता है और फिर भी उसे जब यह भौतिक दुनिया नहीं स्वीकार करती तो वह अपनी अलग दुनिया बना लेता है। एक ऐसी दुनिया, जो पूर्णरूप से भावनात्मक या मानसिक होती है।

# लाड़ली बहना योजना: महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदम

प्रखर चिंतक स्वामी विवेकानंद कहते थे कि जहाँ बेटियों की शिक्षा पूरी होती है, वहाँ का समाज विकसित होता है। जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवता वास करते हैं। विवेकानंद जी हमेशा ही नारी को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की पहल करते और कहते थे कि महिला को सामाजिक और आर्थिक रूप से इतना सहारा दिया जाये जिससे वह स्वयं के जीवन का निर्माण कर सके। विवेकानंद का यह प्रयास आगे चलकर महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हुआ। विशेषतः मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण पर चिंतन मनन किया गया। अब मध्यप्रदेश अनुमानतः देश का पहला ऐसा राज्य बन चुका है जहाँ बेटियों के सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के साथ ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ा जा रहा है। प्रसंगवश बता दें कि लाड़ली बहना योजना की सफलता इस बात से प्रमाणित होती है कि उसका अनुसरण दूसरे राज्य भी कर रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने इसे प्रमुखता से अपनाया है। कुछ अन्य राज्य भी इस योजना को अपनाने पर गहन विचार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में पहले इस योजना को बतौर प्रयोग के रुप में लागू किया गया था लेकिन महज डेढ़ साल से भी कम समय में इसे मिली अपार लोकप्रियता, सराहना तथा विश्वास ने चमत्कार सा कर दिखाया और उन लोगों को सीधा जवाब मिल गया जो इसके लागू होने के आरम्भ में कुशंका पैदा कर रहे थे। योजना के अंतर्गत वितरित की जा रही राशि समय पर जरुरतमंद महिलाओं के खातों में पहुँचती है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं इसके क्रियान्वयन पर निगरानी रखकर मानिटरिंग करते हैं । यही वजह है कि लाड़ली बहना योजना सफलता अर्जित कर प्रदेश के लोगों का विश्वास जीत चुकी है। मुख्यमंत्री इस योजना की सफलता और परिणाम को लेकर चिंतित रहते हैं। उनकी चिंता उनके वक्तव्यों में स्पष्ट रूप से झलकती भी है। कह सकते हैं कि इस योजना ने प्रदेश की महिलाओं के जीवन में आशा और विश्वास के प्रकाश की किरणें बिखेरी हैं। यह मध्यप्रदेश का सौभाग्य है कि सरकार महिला सशक्तिकरण, बालिका प्रोत्साहन तथा सुरक्षा पर अन्य राज्यों के मुकाबले अधिक व्यय कर रही है। प्रदेश की महिलाओं की समृद्धि, उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार से जोड़ने के लिये सारे जतन किये जा रहे हैं। प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव स्वयं इस दिशा में प्रयासरत रहते हैं। वे समय-समय पर काम की समीक्षा कर आवश्यक धन राशि जुटाने के लिये प्रयत्नशील रहते हैं। बेटियों के स्वावलम्बन में वे कोई कमी नहीं आने देना चाहतें। सभी जानते है कि विगत् 9 नवंबर को मध्यप्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1573 करोड़ रूपयों की राशि का अंतरण किया गया। यह सिलसिला पिछले लगभग डेढ़ साल से निरंतर चल रहा है। लाड़ली बहना योजना से पूर्व लाड़ली लक्ष्मी, कन्यादान तथा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनायें महिला सशक्तिकरण की दिशा में कारगर साबित हुयीं हैं। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से सुखद परिणाम निकले और महिलाओं की आर्थिक, सामाजिक स्थिति में तेजी से बदलाव देखे गये। सामाजिक विषयों पर पैनी नजर रखने वालों का स्पष्ट मानना है कि मध्यप्रदेश में पिछले कुछ वर्षों को देखा जाये तो महिलाओं के जीवन में व्यापक स्तर पर बदलाव आये हैं, जागरुकता भी बढ़ी है। यहाँ बता दें कि किसी भी प्रदेश का विकास महिलाओं की समृद्धि के बिना अधूरा है।

फिल्म द साबरमती रिपोर्ट प्रदेश में हुई टैक्स फ्री




## आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5424

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 4 | | | | | 5 | 6 | |
| | 3 | 9 | | | 8 | | 7 | |
| 7 | | | 2 | 5 | | | | |
| 3 | 1 | | | | 6 | 7 | | |
| | | 5 | | 7 | | 1 | | |
| | | 6 | 4 | | | | 8 | 9 |
| | | | | 9 | 7 | | | 2 |
| | 2 | | 8 | | | 6 | 5 | |
| | 8 | 1 | | | | | 9 | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5423

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 2 | 8 | 5 | 1 | 6 | 7 | 4 |
| 6 | 8 | 7 | 4 | 2 | 3 | 1 | 9 | 5 |
| 4 | 5 | 1 | 9 | 7 | 6 | 2 | 8 | 3 |
| 5 | 6 | 9 | 2 | 3 | 4 | 8 | 1 | 7 |
| 2 | 3 | 8 | 7 | 1 | 5 | 4 | 6 | 9 |
| 1 | 7 | 4 | 6 | 9 | 8 | 5 | 3 | 2 |
| 9 | 1 | 6 | 3 | 4 | 2 | 7 | 5 | 8 |
| 8 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 9 | 4 | 1 |
| 7 | 4 | 5 | 1 | 8 | 9 | 3 | 2 | 6 |

## वर्ग पहेली 5424



संकेत: बाएं से दाएं

1. 1979 के दिन इस तत्कालीन राष्ट्रपति ने लोकसभा भंग की थी (8)
6. राज्याभिषेक, सिंहासनारूढ़ हो जाने के समय युवराज के मस्तक पर लगाया जाने वाला टीका (3)
7. स्वीकार करना, मानना (3)
9. अनजान, अपरिचित, अनजान, पराया (3)
12. गीत गाने या बोलने का ढंग, शब्दों को उच्चारण करने का खास ढंग (3)
14. यह मध्यप्रदेश के प्रांत का नगर एवं संभाग है जो प्रदेश प्रांत के विंध्य पठार के एक हिस्से का निर्माण करता है (2)
15. फायदा, मुनाफा, प्राप्ति (2)
17. दौड़ने वाला, धावक (3)
19. दादा का पिता, प्रपितामह (4)
20. विरुद्ध, प्रतिकूल, उल्टा (3)
22. तीन घंटे का समय, एक पहर (2)
23. जिसके पास अपार संपत्ति हो, धनवान, मालामाल, धनाढ्य (3)
24. पृथ्वी, जमीन, सीता की एक सहेली का नाम (1)

ऊपर से नीचे

1. लोक व्यवहार हेतु निश्चित किया गया आचार, व्यवहार का ढंग (2)
2. प्रबल अभिलाषा, तीव्र उत्कंठा (3)
3. मान्य और स्वीकृत, पसंद किया हुआ (4)
4. सजीव रहना, जिंदा रहना, जीवित होना (2)
5. रुपए के मूल्य के छोटे-छोटे सिक्के (4)
8. जो सीधा न जाकर बल खाता हुआ गया हो (5)
10. अनजान, अपरिचित, अज्ञात (4)
11. तानपूरा स्वरों में आरंभिक धुन प्रदर्शन (3)
13. प्राणतत्व, जीवन, जानकारी, पहचान (2)
16. ऋण मोचन, क्षतिपूर्ति, भुगतान, आवक पत्र (4)
18. पहरेदार या रक्षक को यह भी कहा जाता है (3)
21. उर्दू का एक अक्षर, अलक, जुल्फ, फौज का दस्ता, दूर, दूरी पर, समूह (2)

### वर्ग पहेली 5423 का हल

# दीपक गुर्जर के नेतृत्व में किसानों ने किया नारकोटिक्स विभाग का घेराव

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** किसान नेता दीपक सिंह गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने नारकोटिक्स कार्यालय का घेराव कर किसानों के साथ हो रही विभाग की ज्यादतियों का विरोध दर्ज करवाया। किसानों ने मांग रखी कि नवीन सीपीएस के जो पट्टे जारी किए जा रहे हैं उनमें प्रत्येक लाइसेंसधारी से 80000 रु से लेकर दो लाख रु तक की अवैध मांग नाकोटिक्स विभाग के कुछ अधिकारियों की मदद से दलालो द्वारा मांगे जा रहे,चूंकि अभी जारी किए जा रहे नवीन पट्टे जो कि लगभग 30 साल पुराने हैं उनमें 90% से अधिक लाइसेंसधारी की मृत्यु हो चुकी है और उसी वजह से मृतक नामांतरण के नाम पर लाइसेंसधारी के परिवार के वारिस का नाम जोड़ने के लिए 1लाख रु तक की अवैध मांग की जा रही है और न देने पर नवीन पट्टे को काट दिए जाने तक की धमकीं दी जा रही है। साथ ही सीपीएस पद्धति वाले वे किसान जिन्होंने बीते वर्ष 23-24 में अफीम की बुवाई की थी और विभाग को डोडा दिया था उसकी कितनी मात्रा दी जानी चाहिए थी उसे विभाग द्वारा ठीक से प्रचारित नहीं किया गया और अब जाकर साल भर बाद विभाग द्वारा बताया गया कि किसानों को उन्हें 67.50 किलो डोडा दिया जाना चाहिए था।जिससे कई हजार किसानों के पट्टेरोक दिए गए।जो कि सरासर गलत है और विभाग को उन रोके गए पट्टे को तुरंत जारी करना चाहिए। किसानों ने बताया कि सीपीएस वाले अफीम उत्पादक किसान से जब शासन डोडा लेता है तो उसका शासकीय मूल्य 200 रु /किलो और अफीम को मार्फिन के आधार पर 1800रु/किलो के मान से लेता है जबकि वहीं डोडाचूरा जब कही अवैध परिवहन या तस्करी में बरामद होता है तब उसका अंतरराष्ट्रीय मूल्य 1लाख रु/किलो बताया जाता है और अफीम की तस्करी में जप्त हुई अफीम की अंतरराष्ट्रीय मूल्य 3 से 5लाख रु तक की कीमत के बताए जाते है,ऐसे में विभाग को डोडाचूरा और अफीम के दामों की पुन: समीक्षा करनी चाहिए और 200रु से बढ़ाकर 2000रु/किलो और अफीम के शासकीय दाम 1800रु/किलो से बढ़ाकर 10000रु/किलो किया जाना चाहिए।इससे न सिर्फ किसानों को लाभ होगा अपितु तस्करी और अवैध परिवहन भी समाप्त होने की संभावना बढ़ेगी। साथ ही जब अफीम उत्पादक किसान अपनी फसल तैयार कर शासन को दे चुका होता है तब उस समय भी डोडा उखडवाने के नाम पर किसानों से लाखों रुपए की अवैध वसूली होती है उसे भी बंद किया जाना चाहिए और किसानों को स्वत: ही डोडा उखडवाने की अनुमति दी जानी चाहिए। नारकोटिक्स आयुक्त ग्वालियर के नाम दिए ज्ञापन नारकोटिक्स अधिकारी श्री आर सिंह ने प्राप्त किया।इस अवसर पर किसान नेता गोविन्द सिंह पंवार, जगदीश धनगर फौजी,रूपल संचेती, संदीप सलोद, राकेश कुमावत,अजहर हयात मेव,नानालाल धामनिया, सुरेश पाटीदार, रंगलाल धनगर, सुरेश टेलर, बद्रीलाल धनगर, किशोर गोयल,पंकज कटारिया, जनपद सदस्यगण लालचंद गुर्जर, रामप्रसाद वर्मा, अर्जुन गुर्जर, मुकेश बामनिया, पद्मेश सोलंकी, अनिल धनगर नयाखेड़ा, सुखदेव कुमावत, मोहन खारोल, वर्षा सांखला,अनिल राठौर एडवोकेट, पीयूष जैन, विनय राजोरिया एडवोकेट, वसीम खान, विजय सिंह सोलंकी, संजय सिंह सोलंकी, फिरोज खान, अब्बास भाई भरडावद, विष्णु चंद्रवंशी, मनसब अली, कपिल सुरावत, बंटी जैन, शीतल सिंह बोराना, सत्यनारायण पाटीदार बूढ़ा,मोहनलाल राठौर, अशोक गुर्जर नागदा, ईश्वर सूर्यवंशी, नेहा जैन, कारुलाल पाटीदार, कोमलराम वाघेरिया, राजू पाटीदार, नीलम वीरवाल, युनुस मेव, प्रहलाद शर्मा, मोहन खारोल,अजय सोनी, शुभम कुमावत, विजय जैन, नितेश सतिदासानी, अकरम खान, गोविन्द सिंह डोराना, पद्मेश सोलंकी, बालाराम पाटीदार पिपलिया कराडिया,बापूसिंह सिसोदिया, अजीज लाला , डॉ फरीद तुमड़वाडा, घनश्याम चौहान, शम्सू भाई मंसूरी कचनारा, हेमंत शर्मा, प्रकाश कुमावत, शंकर धनगर, विशाल अहिरवार आदि सैकड़ों किसान विरोध प्रदर्शन में उपस्थित रहे।ज्ञापन का वाचन किसान नेता और जिला पंचायत सदस्य दीपक सिंह गुर्जर ने किया।

# विधायक जैन के हस्तक्षेप के बाद हुआ व्यवस्था में सुधार

## जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही थी लंबे समय से शिकायतें, शासन की सारी योजनाओं और कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला चिकित्सालय में जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने को लेकर जिले भर से कई शिकायतें प्राप्त हो रही थी शिकायतकर्ताओ का आरोप था कि बगैर 4 से 5 बार जिला चिकित्सालय के चक्कर काटे उनके जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन रहे थे और आए दिन कर्मचारियों की अनुपस्थिति, कार्यालय बंद जैसी शिकायतें विधायक विपिन जैन को प्राप्त हो रही थी।

इसके बाद लोकप्रिय विधायक विपिन जैन द्वारा जिला कलेक्टर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी मंदसौर को पत्र लिखकर अवगत कराया था कि जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाए जाने को लेकर काफी शिकायत क्षेत्र से प्राप्त हो रही है निराकरण हेतु जैन ने जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र के दो काउंटर बनाए जाने,कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने, कार्यरत कर्मचारियों की सूची, मोबाइल नंबर, कार्यालय का समय, दोपहर अवकाश का समय, पूर्णकालिक अवकाश, संबंधित अधिकारी का मोबाइल नंबर, रूम नंबर पर दी जाने वाली सुविधाएं और प्रमाण पत्र के साथ लगने वाले दस्तावेजों का विवरण इत्यादि की सूचनाओं को बोर्ड पर अंकित कर कार्यालय के बाहर लगाने को कहा गया था जिस पर अमल हुआ है और अब दो काउंटर के साथ ही सारी सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा रही हैं वही जन्म प्रमाण पत्र हितग्राहियों को डिस्चार्ज के समय बेड पर ही उपलब्ध करा दिया जायेगा।ज्ञात हो की शासन की सारी सुविधाएं और अन्य योजनाएं जो संचालित होती है उसमें जन्म प्रमाण पत्र और मृत्यु प्रमाण पत्र अति आवश्यक होता है उसमें नाम, सरनेम, जन्मतिथि और अन्य गलतियां होने पर शासकीय योजनाएं और अन्य कार्य पर सुधार हेतु हितग्राहियों को काफी चक्कर काटना पड़ते हैं गंभीर विषय की ओर विपिन जैन ने जिला कलेक्टर और चिकित्सा अधिकारी को इस ओर ध्यान आकर्षित करवाया और अति शीघ्र हो रही अव्यवस्थाओं में सुधार लाने हेतु कहा गया था पत्र में उल्लेखित सभी शिकायतों पर गंभीरतापूर्वक विचार करके सारी समस्याओं को दूर कर दिया गया है।

# राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उमंग उच्च शिक्षा विभाग हेल्थ एण्ड वेलनेस कार्यक्रम शिविर सम्पन्न

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय कन्या महाविद्यालय,मंदसौर के प्राचार्य डा.पी.एल.पाटीदार ने बताया कि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं उमंग उच्च शिक्षा विभाग हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम शिविर का आयोजन किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए डा.पाटीदार ने बताया कि शासन की आयुष्मान योजना के अंतर्गत हैल्थ कार्ड जिसे आभा कार्ड से जाना जाता है सभी छात्राओं के लिए बनवाना आवश्यक है। यदि हम आंकडों पर नजर डाले तो हम पाते है कि भारत में प्रतिहजार शिशु मृत्यु दर 26 है किन्तु म.प्र. में 48 है, ऐनेमिक भारतीय महिलायें लगभग 57 प्रतिशत है, प्रसव के दौरान होने वाली महिलाओं की भारतमेंमृत्यु दर 97 है जबकि म.प्र. में 173 है। इसी चिंता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने हेल्थ एंडवेलनेस कार्यक्रम आरंभ किया है ताकि हमारे देश की हर बेटी एवं आगामी पीढ़ी स्वस्थ रहें।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डा.सतीशचन्द्र गौड (वरिष्ठ चिकित्सक शा.जिला चिकित्सालय, मंदसौर ) ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं से हीमोग्लोबीन परीक्षण करवाने का आव्हान किया एवं बताया कि यदि किसी छात्रा एनिमिया पीडित मिलती है तो शासन की तरफ से पूर्ण स्वस्थ होने तक इलाज करवाया जायेगा। विषय प्रर्वतन करते हुए डा.अदिती गौड (पैथालाजी विभाग, जिला चिकित्सालय,मंदसौर) ने हीमोग्लोबीन की प्रकृति के बारे में बताया कि हीमोग्लोबीन सुपर हीरो प्रोटीन होता है यह श्वास के द्वारा फेफड़ों से आक्सीजन को पूरे शरीर में पहँचाता है एवं कार्बनडाई आक्साइड को बाहर करता है। पुरूषों में हीमोग्लोबीन का स्तर 13 से 17 एवं महिलाओं में 13 से 16 के मध्य होना चाहिए। हीमोग्लोबीन की कमी से थकान बनी रहना,चक्कर आना, मतली सा रहना लक्षण है। इसे दूर करने के लिए हर तीन से चार माह में परीक्षण करवाना चाहिए अच्छी खुराक एवं दवाईयों से यह दूर हो जाता है। हमारे क्षेत्र में मुख्य रूप से थेलेसिमिया माईनर पाया जाता है यदि माता-पिता को थेलेसिमिया माइनर है तो होने वाले शिशु को थेलेसिमिया मेजर होने की संभावना अधिक होती है जिससे शिशु की कम उम्र में मृत्यु तक हो सकती है। इसलिए समय पर जागरूक रहते हुए इस बीमारी से बचाव किया जाना चाहिए।

आभाप्रभारीव्डाटामेनेजर श्रीमहेश धनोतिया ने आभा आईडी बनाने की जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि अइक्स का पूरा नाम आयुष्मान भारत हैल्थ अकांउट है। इसे बनाने के लिए गूगल क्रोम में जाकर स्केनर के माध्यम से आपका आधार नं. जो कि आपके मोबाईल नं. से जुडा हो स्कैन करते हुए

आभा की प्रक्रिया अपनाते हुए इससे जुड जायेगें। इसका फायदा यह होगा कि भविष्य में आप देश के किसी भी अस्पताल मे जाते है तो आपकी आभा आईडी के माध्यम से आपकी पूरी हैल्थ जानकारी प्राप्त हो जायेगी। चिकित्सक की रिपोर्ट गुमने या खो जाने पर भी आपका डाटा सुरक्षित एप में रहेगा। छात्राओं को अपने साथ-साथ पूरे परिवार की आभा आईडी भी बनवाना होगी। एक व्यक्ति की एक आई डी ही होगी। कंसलटेंट वैभवगुप्ताने हैल्थएंडवेलनेस कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की आपने बताया कि अब इस कार्यक्रम को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर सभी तरह की मेडिकल सुविधा उपलब्ध करवाना है। स्वस्थ रहने के लिए आपने बताया कि हमें प्रतिदिवस कम से कम 30 मिनिट स्वयं के शरीर के लिए निकालने होगें जिसमें आप व्यायाम, योगा, ध्यान या अन्य सेहतमंद रहने के कार्य कर सकते है। ऐनिमिया कम करने का सबसे अच्छा उपाय लोहे की कडाई में खाना पकाना चाहिए एवं जंक फूड से दूर रहना चाहिए। खाने से एक घंटे पहले सलाद एवं खाने मे मोटे अनाज का उपयोग करना चाहिए।

## साक्षी कियावत मप्र प्रतिभा सम्मान अवार्ड से सम्मानित

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** विगत दिनों भोपाल में

आयोजित मध्यप्रदेश प्रतिभा सम्मान समारोह-2024 में मंदसौर की एंकर सुश्री साक्षी कियावत ने टॉप-10 में स्थान हासिल कर मंदसौर का नाम रोशन किया गया है। साक्षी टॉप 10 प्रतिभाओं में 9वें स्थान पर रही। मध्यप्रदेश प्रतिभा सम्मान समारोह समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुराना एवं सचिव प्रीतेश अग्रवाल ने सुश्री साक्षी कियावत को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि साक्षी 20 साल की उम्र में अपनी एंकरिंग और सेवा के कार्य से अपने नगर व प्रदेश का नाम पूरे विश्व में प्रसिद्ध कर रही है। इसी को लेकर समिति द्वारा उन्हें मध्यप्रदेश प्रतिभा सम्मान अवार्ड-2024 प्रदान किया गया है। साक्षी ने एमआईटी कॉलेज से बीबीए उत्तीर्ण की है । वह अपने कार्य से प्राप्त होने वाली आय का 20 प्रतिशत हिस्सा जरूरतमंदों की सेवा में लगा रही है। साक्षी के पिता श्री रमणीक कियावत मंदसौर में व्यवसायी है तथा माता श्रीमती रत्ना कियावत गृहणी है। साक्षी को अपनी प्रतिभा के कारण पूर्व में भी कई अवार्ड मिल चुके है तथा सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। साक्षी कियावत की इस उपलब्धि पर स्नेहीजनों व इष्ट मित्रों ने बधाई व शुभकामनाएं दी है।

# प्रशिक्षण शिविर में दशपुर विद्यालय के छात्रों का श्रेष्ठ प्रदर्शन

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड द्वारा राज्य स्तरीय टोली नायक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 14 नवंबर से 18 नवम्बर तक किया गया। जो रतलाम जिले के मारुति एकेडमी सात रूंडा मैं संपन्न हुआ जिसमें मंदसौर, रतलाम, भोपाल, देवास, विदिशा, सागर, इंदौर के साथ ही हिमाचल प्रदेश राज्य से लगभग 400 से अधिक स्काउट एंड गाइड ने भाग लिया।

उक्त जानकारी देते हुए दशपुर विद्यालय के स्काउट मास्टर कुणाल शर्मा ने बताया कि यह राज्य स्तरीय कैंप मध्य प्रदेश के चीफ कमिश्नर राज्य अध्यक्ष डॉ विजय सिंह पुरावत, राज्य मुख्यालय आयुक्त डॉक्टर क्षितिज पुरोहित, राज्य आयुक्त कृष्णा राठौर, गाइड राज्य मुख्य आयुक्त के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। शिविर में स्काउट एंड गाइड के सामूहिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास व नेतृत्व कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया। लीडर सहायक राज्य संगठन आयुक्त नीरज शर्मा के द्वारा स्काउट एंड गाइड को प्रशिक्षण दिया गया। शिविर के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मार्च पास्ट प्रतियोगिता में कई स्कूलों ने भाग लिया, जिसमें दशपुर विद्यालय के स्काउट एंड गाइड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।जिन्हें ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन एवं प्राचार्य प्रिन्स वी थॉमस द्वारा शिविरार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## शिक्षकों एवं छात्रवास अधीक्षकों का प्रशिक्षण संपन्न

**नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना एवं पंख अभियान के तहत शिक्षकों व हॉस्टल वॉर्डन का दो दिवसीय प्रशिक्षण कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास व ममता हेल्थ इंस्टिट्यूट फोर मदर एन्ड चाइल्ड यूनीसेफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

जिला पंचायत सभागार में 50 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री ताराचंद मेहरा ने की। 17 शिक्षकों और 33 हॉस्टल वार्डन ने दो दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान बाल संरक्षण अधिनियम पर आधारित सत्र ममता यूनिसेफ के जिला समन्वयक श्री संदीपसिंह दीखित द्वारा लिया गया। वर्तमान में साइबर ठगी से बचने हेतु महिला थाना की एस.आई. ने महत्वपूर्ण जानकारी दी। आरसेटी के डायरेक्टर ने वित्तीय साक्षरता के बारे में बताया तथा दो साल के व्यावसायिक कोर्सेज की जानकारी दी।

# प्रशासन ने गौशाला की भूमि करवाई अतिक्रमण मुक्त

**नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले के सिंगोली तहसील मुख्यालय के समीप स्थित ग्राम नयागांव (रघुनाथपुरा) में नवीन गोशाला की आरक्षित 9 हजार वर्गफीट भूमि को अतिक्रमणकर्ता के कब्जे से प्रशासन ने गुरूवार को मुक्त करवाया हैं।**

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार सिंगोली तहसीलदार श्री राजेश सोनी ने ग्राम पंचायत पटियाल के ग्राम रघुनाथपुरा में अतिक्रमणकर्ता राहुल जैन पिता भंवर लाल जैन निवासी सिंगोली द्वारा गौशाला की चरनोई भूमि पर 15 फीट अतिक्रमण कर कच्ची दीवार बना रखी थी, जिसे अतिक्रमण मुक्त करा दिया गया है। तहसीलदार सिंगोली ने बताया, कि अतिक्रमणकर्ता राहुल जैन के खिलाफ गौशाला की चरनोई भूमि पर अतिक्रमण को लेकर लगातार शिकायतों के चलते कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में गुरुवार को प्रशासन की टीम द्वारा तहसीलदार श्री राजेश सोनी के नेतृत्व में ग्राम रघुनाथपुरा पहुंचकर तीन जेसीबी मशीनों की सहायता से गौशाला के लिए चरनोई की आरक्षित शासकीय भूमि को अतिक्रमणकर्ता राहुल पिता भंवरलाल जैन निवासी सिंगोली के कब्जे से शासन हित में मुक्त करवाया गया है। कार्यवाही के दौरान तहसीलदार सिंगोली, थाना प्रभारी श्री बी. एल. भाबर एवं क्षेत्र के पटवारीगण एवं सरपंच प्रतिनिधि श्री जीतमल धाकड़ सहित पुलिस, राजस्व कर्मचारी, ग्राम कोटवार एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

## सहिष्णुता व्यक्तिगत जीवनशैली में अपनाना होगी

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मन्दसौर के प्राचार्य डॉ. दिनेश चन्द्र गुप्ता ने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा प्रकोष्ठके अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रम के आयोजन किए गए। जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय श्री नरेशजी चंदवानी ने सहिष्णुता पर आधारित कार्यक्रम करवाने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

भारत में सहिष्णुता विषय पर इतिहास विभाग की डॉ. उषा अग्रवाल ने अपने व्याख्यान में कहा कि संहिष्णुता वह है जिसमें हम दूसरे के विचारों, आस्थाओं एवं संस्कृतियों का सम्मान करते हैं। चाहे वे विचार हमारे स्वयं के विचारों से अलग हो। आज के युग में सहिष्णुता केवल गुण ही नहीं है बल्कि आवश्यकता है जो समाज को शांति, समृद्धि और विकास की दिशा में ले जाती है। हमें सहिष्णुता व्यक्तिगत शैली में अपनाना होगी तभी एक बेहतर और समावेशी समाज और दुनिया का निर्माण हो सकता है। भारत में सहिष्णुता का इतिहास बहुत पुराना है। विभिन्न धर्म और संस्कृति का मिलाजुला रूप सदा से रहा है। राजा भी वही सफल रहें, जिन्होंने सहिष्णुता की नीति अपनाई। इस अवसर पर डॉ. राजेश सकवार द्वारा विद्यार्थियों के समक्ष सहिष्णुता पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। डॉ. श्वेता चौहान द्वारा सहिष्णुता पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शिवकुमार पाण्डेय द्वारा किया गया एवं आभार सुश्री शबनम खान द्वारा व्यक्त किया गया।

# राज्य स्तरीय शालेय जूडो प्रतियोगिता सम्पन्न

**नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** 68वीं शालेय खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 21 नवंबर तक नीमच में किया गया। प्रतियोगिता का समापन गुरूवार को हुआ है। मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, विशिष्ट अतिथि श्री रामसिंह बनिहार, फिल्डथ ऑफिसर भोपाल श्री डी.एस. धुर्वे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सी.के. शर्मा, जिला क्रीडा अधिकारी श्रीमती सावित्री मालवीय उपस्थित थी।

मंचासीन अतिथियों का स्वागत श्री सी. के. शर्मा, प्राचार्य श्री बालकिशन बनौधा, श्रीमती सावित्री मालवीय एवं श्री भारत सिंह कुमावत ने किया। सर्वप्रथम अतिथियों ने माँ सरस्वती के

चित्र पर माल्यार्पण किया तथा सी.एम. राईज विद्यालय नीमच की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। स्वागत उद्बोधन जिला शिक्षा अधिकारी श्री सी. के. शर्मा ने दिया तथा प्रतियोगिता के प्रतिवेदन का वाचन श्रीमती सावित्री मालवीय ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति सी.एम. राईज विद्यालय नीमच की बालिकाओं ने दी। मुख्य अतिथि ए.डी.एम. श्रीमती लक्ष्मी ने अपने उद्बोधन में कहा, कि पढाई के अलावा ये सभी गतिविधियाँ एकाग्रता एवं अनुशासन के साथ हमारे आत्मविश्वास को बढाती है।

# कलेक्टर द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर 37.63 लाख का अर्थदण्ड आरोपित

**नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।**

जिले में खनिज विभाग द्वारा विभिन्न खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन में लगातार कार्यवाही की जा रही है। गत डेढ माह में कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने अवैध उत्खनन एवं परिवहन के प्रकरणों में कुल 19 वाहनों पर 37.63 लाख का अर्थदण्ड अधिरोपित किया, जिसके विरूद्ध संपूर्ण राशि की वसूली वाहन मालिकों से खनिज विभाग द्वारा की गई है। इसमें 6 डम्पर 12 चक्का, 07 डम्पर 10 चक्का, 6 ट्रेक्टर ट्राली शामिल है। इन वाहनों से अवैध रूप से खनिज गिटटी, रेत, फर्शी पत्थर के खम्बे, मुरूम, खण्डा आदि का परिवहन किया जा रहा था। बुधवार को मुरूम का अवैध परिवहन कर रहे दो डम्परों पर कलेक्टर द्वारा रू. 4.22 लाख का अर्थदण्ड किया जाकर वसूला गया है। जिला खनिज अधिकारी श्री आरिफ खान ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि जीरन क्षेत्र में मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए 4 ट्राले एवं एक पोकलेन मशीन जप्त की गयी थी, जिसका प्रकरण विवेचना में है, दोषी अपराधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की जा रही है, पश्चात अर्थदण्ड अधिरोपित किया जाएगा। इसी प्रकार गांधी सागर डेम मे जप्त नावों एवं जहाज के प्रकरण में भी दोषियों की जानकारी प्राप्त होते ही प्रकरण कलेक्टर नीमच को प्रस्तुत किया जाएगा। विभाग द्वारा लगातार की जा रही कार्यवाहियों से अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर अंकुश लगा है।

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 76 | 3420 | 3475 |
| उडद | 374 | 2095 | 2513 |
| सोयाबीन | 85 | 5199 | 6400 |
| गैहु | 4000 | 3860 | 4340 |
| चना | 187 | 5590 | 6400 |
| मसुर | 124 | 5410 | 6222 |
| धनिया | 190 | 5700 | 6860 |
| लहसुन | 12000 | 15100 | 31100 |
| मैथी | 666 | 4790 | 6001 |
| मुंगफली | 5300 | 4151 | 5401 |
| अलसी | 1560 | 5601 | 6065 |
| सरसो | 326 | 5510 | 5753 |
| तारामीरा | 0000 | 0000 | 0000 |
| इसबगोल | 89 | 10800 | 13001 |
| प्याज | 13000 | 1500 | 3900 |
| कलोंजी | 13 | 11500 | 18760 |
| तुलसी बीज | 9 | 15050 | 21000 |
| डॉलर | 55 | 9102 | 12353 |
| तिल्ली | 10 | 9700 | 12353 |
| जौ | 41 | 2451 | 2538 |
| मटरसुखी | 03 | 5501 | 6301 |
| असालीया | 50 | 10000 | 11602 |
| मूंग | 08 | 3690 | 4500 |

# जिले में 21 वीं पशु संगणना का कार्य प्रारम्भ

**नीमच, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवायें नीमच ने बताया, कि जिले में 21वीं पशु संगणना 2024 का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। पशु संगणना का यह कार्य भारत सरकार का राष्ट्रीय कार्यकम है। यह कार्य प्रत्येक पांच वर्ष में किया जाता है। जिले में 21वीं पशु संगणना का कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में 48 प्रगणकों एवं शहरी क्षेत्रों में 17 प्रगणकों तथा 7 सुपरवाईजरों द्वारा किया जा रहा हैं। नीमच जिले के तीनो विकासखण्डों में पशुगणना का कार्य 4 माह में पूर्ण किया जावेगा।**

पशु गणना का कार्य ऑनलाईन एप्प के माध्यम से किया जा रहा हैं। पशु गणना में सभी 16 प्रकार के पालतु पशुओं की गणना घर-घर जाकर की जाएगी, जिसमें एप्पन पर पशु के प्रकार को दर्ज करने के लिए विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्तज की जाएगी। इसके साथ ही क्षेत्र अन्तर्गत पाई जाने वाली सभी प्रकार के पशुओं की नस्लों की जानकारी भी ली जाएगी। पशु चिकित्सार विभाग द्वारा जिले के नागरिकों से अपील की है, कि वे अपने पशुओं की सही-सही जानकारी विस्तार से विभागीय अमले को अवगत कराएं, जिससे कि भविष्य में शासन द्वारा पशुपालन विकास की योजनाओं को मुर्तरूप दिया जा सके।


कार्यालय :- **नवीन कुमार निमावत**, एडवोकेट
जवाहर मार्ग, जावद, जिला-नीमच (म.प्र.) मो.नं. 9425033929, 9806883929

**** जाहिर सूचना ****

बनाम :- सर्व साधारण

इस जाहीर सूचना के द्वारा सर्व साधारण एवं संबंधित, पक्षकारान को सूचित किया जाता है कि मेरे व्यवहारी ने श्री घनश्याम पिता भंवरलाल जी जाति सिलावट, निवासी ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद, जिला नीमच (म.प्र.) के स्वामित्व व आधिपत्य की भूमि प.ह.नं. 17, ग्राम दामोदरपुरा, तहसील जावद, में स्थित कृषि भूमि सर्वे कमांक 75/3 रकबा 0.030 हैं. भूमि जिसकी चतुरसीमा उत्तर में-सर्वे क्रमांक 75/2 की भूमि, दक्षिण में-सर्वे क्रमांक 219 की भूमि, पूर्व में-सर्वे क्रमांक 215 की भूमि, पश्चिम में-सर्वे क्रमांक 220 की भूमि को मेरे पक्षकार ने खाते-खसरो में वर्णित भूमिस्वामी से क्रय करने का मौखिक अनुबंध किया है। मौखिक अनुबंध अनुसार मेरा व्यवहारी उक्त क्रय की जा रही सम्पत्ति के विक्रय धन का प्रतिफल विक्रेता को अदा कर विक्रय पत्र का पंजीयन करायेगा। उक्त सम्पत्ति पर किसी भी व्यक्ति या संस्था का किसी भी प्रकार का कोई रहन, बय, दान, कब्जा व ऋण भार नहीं होने संबंधी विक्रेता द्वारा बताया गया हैं। उक्त सम्पत्ति के विक्रय पत्र का पंजीयन मेरे व्यवहारी के पक्ष में विक्रय धन राशि मेरे व्यवहारी द्वारा विक्रेता को अदा कर उप पंजीयक कार्यालय जावद में विक्रय पत्र का पंजीयन करवाया जायेगा। जिस किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय दस्तावेज साक्ष्य के सात दिवस में कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। पंजीयन के बाद किसी भी प्रकार की आपत्ति पेश की जाती हैं तो मेरे व्यवहारी के मुकाबले व्यर्थ एवं प्रभावशून्य होगी जो सभी पक्षो पर बंधनकारी होगी।

दिनांक : 21.11.2024

भवदीय
नवीन कुमार निमावत, एडवोकेट, जावद

# मंदसौर में ट्रैफिक प्रबंधन के लिए ट्रैफिक सिग्नल की आवश्यकता

नेमीचंद राठौर

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर जिला मुख्यालय और व्यवसायिक केंद्र, इन दिनों लगातार बढ़ते ट्रैफिक के कारण गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। नगर के प्रमुख चौराहों पर दिनभर यातायात का दबाव बना रहता है, जिससे जाम की स्थिति आम हो गई है। विशेषकर उद्यमसिंह चौराहा, सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहा, पुरानी कृषि उपज मंडी चौराहा, महाराणा प्रताप चौराहा, गांधी चौराहा, नेहरू बस स्टैंड चौराहा और सिटी पोस्ट ऑफिस जैसे स्थानों पर यातायात प्रबंधन की कमी साफ दिखाई देती है। इस स्थिति ने शहरवासियों को असुविधा में डाल दिया है और यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया है।

**बढ़ते ट्रैफिक का कारण–**हाल के वर्षों में दोपहिया और चारपहिया वाहनों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। नगर का व्यापारिक और आर्थिक महत्व बढ़ने के साथ ही बाहरी इलाकों से आने वाले वाहनों की संख्या भी बढ़ी है। इसके बावजूद, प्रशासन की ओर से यातायात प्रबंधन को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। दशकों पूर्व सरदार वल्लभभाई पटेल चौराहे पर एक व्यापारी के सहयोग से ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे, लेकिन उनकी उचित देखरेख के अभाव में वे खराब हो गए और आज तक उनकी मरम्मत नहीं हुई।

**ट्रैफिक सिग्नल की आवश्यकता–**ट्रैफिक सिग्नल यातायात को सुचारू रूप से चलाने और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सिग्नल यातायात को व्यवस्थित करने के साथ-साथ चौराहों पर जाम की स्थिति को कम करते हैं। पैदल यात्रियों के लिए सड़क पार करना आसान और सुरक्षित हो जाता है। ट्रैफिक सिग्नल एक स्वचालित प्रणाली है जो मानवीय निर्णयों को हटाकर बेहतर निर्णय लेती है। यह तकनीक न केवल वाहनों के बीच टकराव को रोकती है बल्कि यातायात के प्रवाह को भी नियंत्रित करती है। मंदसौर जैसे व्यस्त नगर के लिए ट्रैफिक

सिग्नल की भूमिका और भी अहम हो जाती है। सिग्नल स्थापित होने से सड़कों पर अनुशासन बढ़ेगा, वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित होंगे और दुर्घटनाओं की संभावना में कमी आएगी। इसके अलावा, प्रमुख चौराहों पर यातायात के दबाव को कम करने में सिग्नल मददगार साबित होंगे।

**प्रशासन की लापरवाही–**मंदसौर में ट्रैफिक सिग्नल की कमी प्रशासन की लापरवाही को उजागर करती है। दशकों पहले लगाए गए ट्रैफिक सिग्नल खराब होने के बाद भी उनकी मरम्मत या पुन: स्थापना की ओर ध्यान नहीं दिया गया। यह स्थिति न केवल शहर के विकास में बाधा डाल रही है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रशासन की उदासीनता को भी दर्शाती है। मंदसौर में बढ़ते यातायात को ध्यान में रखते हुए ट्रैफिक सिग्नल लगाना समय की मांग है। प्रशासन को तत्काल प्रभाव से इस दिशा में कदम उठाने चाहिए। यह न केवल शहरवासियों को जाम और दुर्घटनाओं से राहत देगा, बल्कि मंदसौर को एक आदर्श और सुरक्षित नगर बनाने में सहायक होगा।

## रतलाम में मां पर बच्चों को पानी की टंकी में डुबाने का शक...

# कब्र से पुलिस ने निकाले जुड़वा भाई-बहन के शव

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** चार माह के जुड़वा भाई-बहन की पानी की टंकी में डूबने से मौत होने का कारण दूसरे दिन भी सामने नहीं आया है। मां पर बच्चों को डुबाने की शंका को लेकर पुलिस जांच कर रही है। परिजन ने बगैर पोस्टमार्टम कराए और पुलिस को सूचना दिए बिना दोनों के शव मिल्लत नगर के पास स्थित नूरानी कब्रिस्तान में दफना दिए थे। पुलिस ने बच्चों के गुरुवार दोपहर कब्रों से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाए। उल्लेखनीय है कि माणकचौक थाना क्षेत्र की वेदव्यास कालोनी क्रमांक-4 (मदीना कॉलोनी) में किराए के मकान में उम्परी मंजिल लहसुन मंडी में मजदूरी करने वाले आमिर कुरैशी परिवार के साथ रहता है। उसके चार माह की बेटे-बेटी फातिमा व हसन की बुधवार दोपहर करीब दो बजे पानी की टंकी में डूबने से मौत हो गई थी।

**परिवार ने पुलिस को नहीं दी सूचना–**परिवार बच्चों को अस्पताल नहीं ले गया और पुलिस को सूचना भी नहीं दी गई। बच्चों के शवों को आमिर शेरानीपुरी कुरैशी मंडी में रह रहे पिता हुसैन कुरैशी के घर ले गया था। वहां से दोनों के शव नूरानी कब्रिस्तान ले जाकर दफना दिए थे।

**पुलिस ने मौके पर जाकर की पूछताछ–**शाम को पुलिस को सूचना मिली कि दो बच्चों की पानी में डूबने से मौत हुई है। उन्हें पुलिस को सूचना दिए बगैर दफना दिया है। बच्चों को उनकी मां ने ही टंकी में डूबाया है। इस पर पुलिस ने आमिर कुरैशी के घर जाकर देखा और आसपास के लोगों व आमिर से पूछताछ की। बच्चों की मौत का मामला संदिग्ध होने पर पुलिस ने गुरुवार को एसडीएम को रिपोर्ट देकर मृतक बच्चों के शवों की पोस्टमार्टम की जांच के लिए कब्रिस्तान में से निकालने की अनुमति दी जाए।

**अधिकारी पहुंचे कब्रिस्तान–**एसडीएम ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 196 की उपधारा (4) के तहत बच्चों के शव कब्रों से निकालने के लिए कार्यपालिक दंडाधिकारी (तहसीलदार) ऋषभ ठाकुर को नियुक्त किया। दोपहर करीब एक बजे एएसपी राकेश खाखा, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, एफएसएल अधिकारी डॉ अतुल मित्तल, माणकचौक थाना प्रभारी सुरेंद्रसिंह गडरिया व अन्य अधिकारी कब्रिस्तान पहुंचे।

**पुलिस बच्चों की मां से कर रही पूछताछ–**पुलिस बच्चों के पिता आमिर को भी लेकर आई थी। आमिर ने एक स्थान पर ले जाकर बताया कि यहां दोनों बच्चों को शव पास-पास में दफनाए गए हैं। इसके बाद कर्मचारियों ने दोनों बच्चों की कब्रों से फावडे व हाथों से मिट्टी हटाकर शव बाहर निकाले। एफएसएल अधिकारी मित्तल ने बच्चों के शव चेक किए। उसके बाद दोनों शव मेडिकल कॉलेज भिजवाए गए। पुलिस के अनुसार बच्चों की मां से पूछताछ की जा रही है।

**मानसिक संतुलन ठीक नहीं–**आमिर ने कहा कि उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। घटना के समय वह घर से कुछ दूरी पर ही रहने वाली रिश्तेदार महिला के इंतकाल होने पर बडी बेटी चार वर्षीय अक्शा को लेकर गया था। घर पर पत्नी मुस्कान (पम्मी) व चार माह के जुड़वा दोनों बच्चे थे। दोपहर करीब दो बजे पत्नी ने फोन कर बताया कि वह पानी की टंकी के पास खड़ी थी। इसी दौरान दोनों बच्चे उसके हाथ से छूटकर टंकी में गिर गए हैं। वह तत्काल दोस्त को लेकर घर पहुंचा और पत्नी टंकी के पास बेहोश पडी थी। उसने बच्चों को टंकी से निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

**मां संदेह का दायरे में–**सूचना मिली थी कि मां ने बच्चों की डूबाकर हत्या की है। मां संदेह के दायरे में है। बच्चों के शव पोस्टमार्टम के लिए निकलवाए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

**राकेश खाखा, एएसपी**

# मुख्यमंत्री ने किए गृह और महिला एवं बाल विकास विभाग के दो नए पोर्टल लॉन्च

**भोपाल में सरकारी मकानों के आवंटन के लिए बना पोर्टल, प्रदेश में 17 हजार 871 बहनों को पोर्टल के माध्यम से मिलेगी नियुक्ति**

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले राजधानी में सरकारी मकानों के आवंटन से संबंधित नए पोर्टल का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गृह विभाग को इस पहल के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि अब तक इस तरह के पोर्टल का निर्माण नहीं हुआ था। भोपाल स्थित शासकीय आवास आवंटन नियम 2000 के प्रावधानों के अनुसार संपूर्ण आवास आवंटन प्रक्रिया का संचालन अब पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। पोर्टल www.sampada.mp.gov.in के माध्यम से आवंटिती अर्थात शासकीय सेवक को ऑनलाइन आवास आवंटन की सूचना पंजीकृत मोबाइल नंबर पर गृह विभाग की ओर से एसएमएस गेटवे

MPHOME के माध्यम से रियल टाईम बेसिस पर प्रेषित की जाएगी। शासकीय सेवक के हित में वरीयता क्रम से आवासों के आवंटन का कार्य पोर्टल के माध्यम से जनरेट किया जाएगा। इससे मानवीय हस्तक्षेप और पक्षपात के मामले शून्य हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को न्यू मार्केट के पास निर्मित साउथ टी.टी. नगर के बहुमंजिला आवास गृहों का आवंटन भी किया। इन नवनिर्मित आवास गृहों में 'जी' और 'एच' श्रेणी के कुल 1210 आवास शामिल हैं। पोर्टल के माध्यम से शासकीय आवास का आधिपत्य प्राप्त करने की सूचना दी जा सकेगी।

**आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की भर्ती होगी ऑनलाइन–**मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन भर्ती के लिए विकसित व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निश्चित ही यह पारदर्शी प्रक्रिया त्वरित और सुगमता पूर्वक नियुक्ति की कार्यवाही में मददगार होगी। इसके साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित प्राप्त होने वाली शिकायतों की संख्या न्यून हो जाएगी। नई व्यवस्था में आवेदक एमपी ऑनलाइन कियोस्क अथवा स्वयं के मोबाइल पर एप्लीकेशन डाउनलोड कर समस्त दस्तावेजों को आवेदन के साथ अपलोड कर आवेदन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑनलाइन मॉड्यूल https://chayan.mponline.gov.in/ की कार्यप्रणाली को उपयोगी बताते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग को इस शुरूआत के लिए बधाई दी। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजातियों के निवास वाले 20 जिलों में 549 नए आंगनवाडी केन्द्र मंजूर किए हैं। वर्तमान के 5201 पदों के लिए आंगनवाडी केंद्रों में आंगनवाडी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की नियुक्ति की जाना है। इसके अलावा अन्य नव सृजित 12 हजार 670 पद मिलाकर कुल 17 हजार 871 पदों की पूर्ति की जाएगी। इस तरह बड़ी संख्या में बहनों को ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार प्राप्त होगा। आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को प्रतिमाह 13 हजार एवं आंगनवाडी सहायिकाओं को 6500 मासिक मानदेय प्राप्त होगा।

# सांसद गुप्ता ने रेलवे कोटा मंडल की बैठक में रखे प्रस्ताव

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल क्षेत्र के सांसदों के साथ रेलवे के उच्च अधिकारियों की बैठक कोटा में संपन्न हुई। बैठक में सांसद सुधीर गुप्ता ने नई ट्रेनें, ट्रेनों के ठहराव एवं विस्तार, स्टेशनों पर विकास कार्य सहित अन्य मांगों को लेकर सुझाव दिए। उन्होने कहा कि रेलवे ने पहले भी उन मांगों व कार्यों कों अच्छे से प्रगति दी है। वो काम धरातल पर है। गरोठ में दो नई लाइन के साथ पीट लाइन का प्रस्ताव बोर्ड को भेजा जा चुका है। शामगढ में रेलवे डिस्पेंसरी को उन्नत किया जाएगा। शामगढ में रिटायर्ड कॉलोनी से बैंक कॉलोनी तक रेलवे की जमीन पर रोड बनेगी। अमृत भारत स्टेशन फेस 2 में सुवासरा स्टेशन को शामिल करने का प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

आज जिन कामों पर चर्चा हुई है उन पर भी आगामी दिनों में सकारात्मक पहल होगी। सांसद गुप्ता ने बताया कि बैठक में कई प्रस्ताव बोर्ड को भेजे जाने

पर सहमति बनी है। वहीं कई ट्रेनों के प्रस्ताव भी उन्होने बताएं जिसमें कोटा जक्शन से शाम के समय उज्जैन जक्शन तक मेमु शुरू करने का अनुरोध किया, जिससे संसदीय क्षेत्र, कोटा-नागदा सेक्शन की जनता की महाकालेश्वर दर्शन, विद्यार्थियो, अप-डाउनर्स, व्यापारी, किसानो को साधन उपलब्ध हो सकेगा। पिछले कई वर्षों से यह मांग है। ट्रेन नं. 19814 एवं 19808 सिरसा हिसार-कोटा ट्रेन को रतलाम तक विस्तारित करने के प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया जाएँ। वहीं इटावा-कोटा ट्रेन 19811-12 को नीमच होकर मंदसौर तक बढाया जाए ताकि गुना ग्वालियर तक कनेक्टिविटी हो सके। इसी के साथ ही उन्होने कई मांगे रखी। जिसमें कोटा चंबल पैसेंजर ट्रेन का उज्जैन तक बढाया जाए। शामगढ में नई पीट लाइन बनाया जाए। नई रेल लाइन सर्वे रिपोर्ट को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि दिसंबर अंत तक नीमच सिंगोली और मंदसौर सुवासरा एफएलएस रिपोर्ट पूर्ण की जाए ताकि आगामी बजट में स्वीकृत की जा सके। इसी के साथ ही उन्होंने कोटा व्हाया चित्तौडगढ-नीमच-मंदसौर-रतलाम होकर मुम्बई पुणे तक नई ट्रेन चलाई जाए। इसी के साथ ही मंदसौर-कोटा एक्सप्रेस 19815/16 और सोगारिया- नई दिल्ली 20451/52 को जोडकर मंदसौर-नई दिल्ली नई ट्रेन चलाई जाए। वहीं 20957-20958 इंदौर-नई दिल्ली एक्सप्रेस का सुवासरा व गरोठ में ठहराव, 12955-12956 जयपुर मुंबई एक्सप्रेस का गरोठ में ठहराव, 12939-12940 पुणे जयपुर एक्सप्रेस का गरोठ में ठहराव, 22673-22674 जोधपुर मन्नारगुडी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का गरोठ में ठहराव, 12977-12978 मारू सागर एक्सप्रेस का शामगढ एवं गरोठ में ठहराव, 12953-12954 अगस्तक्रांति तेजस राजधानी का शामगढ में ठहराव, 12937-12938 गांधीधाम-हावडा गरीब एक्सप्रेस का शामगढ में ठहराव, 12947-12948 अजीमाबाद एक्सप्रेस का सुवासरा में ठहराव, 12925-12926 मुंबई अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस का सुवासरा में ठहराव, 12967-12968 जयपुर चेन्नई एक्सप्रेस का सुवासरा में ठहराव, 12945-12946 बनारस वेरावल एक्सप्रेस का सुवासरा में ठहराव एवं 09569-09570 राजकोट बुरानी एक्सप्रेस का सुवासरा में ठहराव की मांग रखी। सांसद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में 10-11 सालों में रेलवे में ऐतिहासिक काम हुए है। रेलवे स्टेशन, यात्री सुविधाओं में विस्तर, अमृत रेलवे स्टेशन, वर्ल्डक्लास स्टेशन बनाना हो, नई ट्रेनें चलानी हो, स्टॉपेज हो ऐसे बहुत काम हुए है। बैठक में चित्तौड सांसद सीपी जोशी, बारां झालावाड सांसद दुष्यंत सिंह पश्चिम-मध्य रेलवे महाप्रबंधक शोभना बंदोपाध्याय, कोटा मंडल रेल प्रबंधक सहित रेलवे के आला अधिकारी मौजूद रहे।

## सर्द हवाओं से तापमान में गिरावट

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** पहाड़ो में शुरू हुई बर्फबारी और जेट स्ट्रीम हवाओं के चलते उत्तरी क्षेत्र से आ रही ठंडी हवाओं ने अंचल में ठिठुरन बढ़ा दी है। अब गर्म कपड़ों की जरूरत लगने लगी है।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री व न्यूनतम तापमान 13 डिग्री के आसपास रहा। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आएगी। इस समय जम्मू-कश्मीर, लद्दाख में बर्फबारी हो रही है। वहीं, पश्चिम-उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम हवाएं भी चल रही हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस का भी असर है। ऐसे में उत्तरी हवाएं मध्यप्रदेश में आ रही है, जिससे पारा लुढक गया है। आने वाले दिनों में पारे में और भी गिरावट हो सकती है। अभी रात के साथ दिन भी ठंडे है।

## जिला स्तरीय पल्स पोलियों अभियान की बैठक आज

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय पल्स पोलियों अभियान की बैठक 22 नवंबर को शाम 5 बजे सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित होगी। 8 दिसंबर को पल्स पोलियों अभियान का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पल्स पोलियो की दवाई पिलाई जाएगी।

## महिलाओं के चयन समिति की जिला स्तरीय बैठक आज

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास द्वारा बताया गया कि मुख्यमंत्री महिला सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रशिक्षण प्रदाय किये जाने के संबंध में प्राप्त आवेदनों में से पात्र महिलाओं के चयन हेतु चयन समिति की जिला स्तरीय बैठक 22 नवंबर को प्रात: 11 बजे जिला पंचायत मन्दसौर में आयोजित होगी।

# राज्य स्तरीय शालेय एवं 17 वर्ष बालक-बालिका बेसबॉल प्रतियोगिता का आयोजन जारी

**मंदसौर, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** 68 वीं राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता 17 वर्ष बालक/बालिका के खेल का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि.के खेल मैदान में आयोजित हुए। प्रतिभागी खिलाडियों से परिचय सहायक संचालक खेल लोक शिक्षण संभाग उज्जैन श्री रामसिंह बनिहार, खेल एवं युवा कल्याण विभाग जिला क्रीडा अधिकारी श्री विजेंद्र देवडा, प्राचार्य श्री सुदीप दास, खेल संयोजक उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य श्रीमती विनीता प्रधान, प्रभारी जिला क्रीडा अधिकारी श्री अशोक शर्मा, प्राचार्य अशोक रत्नावत, प्राचार्य के.सी. सोलंकी, प्राचार्य सुखलाल चरेड, व्यायाम शिक्षक महेंद्र शुक्ला, रघुवीर मालवीय, सचिव

बेसबाल संघ एवं मुख्य रेफरी ओम प्रकाश सूर्यवंशी, चेतनदास गनछेड, अर्जुन परिहार, जगदीश पालीवाल, संस्कृत गुरु दिनेश दास बैरागी, मुकेश जैन, पवन सोलंकी, राजेश प्रजापत आदि ने खिलाडियों से परिचय लिया।

बालक वर्ग मैच में इंदौर संभाग वर्सेस सागर संभाग में 3–0 से इंदौर विजेता, भोपाल संभाग वर्सेस ग्वालियर संभाग में 10–1 से भोपाल विजेता, उज्जैन वर्सेस जनजाति कार्य विभाग 10–2 से उज्जैन विजेता, रीवा वर्सेस जबलपुर 6–5 से रीवा विजेता, सागर वर्सेस नर्मदापुरम संभाग में 7–0 से सागर संभाग विजेता, तथा बालिका वर्ग में रीवा वर्सेस जबलपुर संभाग में 14 –5 से रीवा संभाग विजेता, सागर वर्सेस भोपाल संभाग में 11–2 से सागर संभाग विजेता, उज्जैन संभाग वर्सेस जनजाति कार्य विभाग 6–0 से उज्जैन विजेता, इंदौर संभाग वर्सेस ग्वालियर संभाग 7–6 से इंदौर संभाग विजेता, जनजाति वर्सेस नर्मदा पुरम में 10– 2 से जनजाति विभाग विजेता। इस अवसर पर लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के ऑब्जर्वर श्री भीमसिंह विषैला एवं राकेश चौधरी, रेफरी, जनरल मैनेजर, कोच खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

## भगवान राम के ससुराल में बटेंगे उज्जैन महाकाल के लड्डू

**उज्जैन, 21 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।** मध्य प्रदेश में स्थित उज्जैन महाकाल मंदिर में बनने वाला लड्डू प्रसाद एक बार फिर भगवान राम के लिए पहुंचाया जा रहा है। अयोध्या के बाद अब नेपाल के जनकपुर में हो रहे कार्यक्रम महाकाल के लड्डुओ का प्रसाद बटेंगा। दरअसल, 25 नवंबर को होने जा रहे राम-सीता विवाह के चलते महाकाल मंदिर की तरफ से यह प्रसाद भेजा गया है। इसके पहले अयोध्या राम मन्दिर लोकार्पण के दौरान भी महाकाल मंदिर से 5 लाख लड्डू भेजे गए थे। गुरुवार के दिन उज्जैन के महामृत्युंजय द्वार से 1 लाख 11 हजार 111 लड्डू प्रसाद के ट्रक को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान पंडितों ने शंख डमरू बजाकर मंत्र उच्चारण किया। यह ट्रक अयोध्या के लिए रवाना हुआ है। अयोध्या से यह लड्डू प्रसाद मिथिला नेपाल पहुंचाया जाएगा।

**भगवान राम के ससुराल मिथिला पहुंचेगा लड्डू–**भगवान महाकाल के भोग प्रसाद के लिए श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति बेसन के शुद्ध घी के लड्डू प्रसाद तैयार करती है। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक गणेश कुमार धाकड ने बताया कि महाकाल मंदिर से 1 लाख 11 हजार 111 लड्डू प्रसाद अयोध्या पहुंचाया जाएगा।


***** नाम परिवर्तन *****

**सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं तसनीम मुस्तफा पति मुस्तफा ने अपना नाम परिवर्तन कर तसनीम लोखंडवाला पति मुस्तफा लोखंडवाला कर लिया है। अतः आईन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम तसनीम लोखंडवाला पति मुस्तफा लोखंडवाला के नाम से जाना एवं पहचाना जाएं।**

**पता–138, मोहम्मद विला, अग्रसेन नगर, मंदसौर**


## कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1585/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक–19.11.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

**//// द्वितीय सूचना ////**

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री दिनेश पिता प्रकाश पाटीदार निवासी अमलावद, तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 26.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 1369/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 08.10.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 09.12.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

**आवेदन का संक्षिप्त विवरण**

| जिला | तहसील | ग्राम | खसरा नं. | रकबा | भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी) | खनिज का नाम | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंदसौर | मल्हारगढ़ | डोडियामीणा | 4 | 2.000 है. | शासकीय | गिट्टी पत्थर एवं एम. सेंड (क्रेशर आधारित) | --- |

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 09.12.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

**प्रभारी अधिकारी**

G-19292/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल। **खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.**

## कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
## म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

# नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक LII-103 श्री राजवीर सिंह पोरस पिता श्री हरिराजसिंह पोरस को मण्डल आदेश क्रमांक 75 दिनांक 24.01.1989 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 19.05.2000 को निष्पादित करवाया गया था। श्री राजवीर सिंह पोरस पिता श्री हरिराम पोरस का स्वर्गवास दिनांक 24.05.2023 को हो जाने से इनकी पत्नी श्रीमती मंजु पोरस पति स्व. श्री राजवीर सिंह पोरस अपने पुत्र श्री रोहित पोरस पिता स्व. श्री राजवीर सिंह पोरस, एक पुत्री श्रीमती गरिमा राठी पति श्री विकास राठी की सहमति एवं नामजदगी के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्रीमती मंजु पोरस पति स्व. श्री राजवीर सिंह पोरस अपने नाम करवाना चाहती है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्रीमती मंजु पोरस पति स्व. श्री राजवीर सिंह पोरस के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुर्दमन सिंह चंद्रावत)
सम्पदा प्रबंधक, म.प्र. गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

## कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
## म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

# नामान्तरण –सूचना (मृत्यु उपरांत)

मण्डल की आवासीय कॉलोनी किटियानी मंदसौर स्थित भवन क्रमांक L.II.270 श्रीमती गीता बाई पति स्व. श्री रामसिंह वर्मा को आवंटित किया गया था। भवन का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में दिनांक 30.03.2009 को पंजीबद्ध किया गया था। आवंटी श्रीमती गीता बाई पति स्व.श्री रामसिंह वर्मा का स्वर्गवास दिनांक 18.03.2020 को हो जाने से इनकी पुत्रवधू श्रीमती गोपालकुंवर पति मनीष सिंह परिवार की सहमति एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम से करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्रीमती गोपालकुंवर पति मनीष सिंह के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुर्दमन सिंह चंद्रावत)
सम्पदा प्रबंधक, म.प्र. गृह निर्माण एवं
अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in